Regarding adequate compensation to farmers

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले (भन्डारा-गोंदिया): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद ।

मैं आज इस सदन में देश के अन्नदाता की करुण पुकार लेकर खड़ा हुआ हूं । मैं भन्डारा-गोंदिया से आता हूं, जिसे धान का कटोरा कहते हैं, लेकिन विडम्बना देखिए कि अन्नदाता किसान आज खुद-ब-खुद कर्ज, भूख और निराशा में जी रहा है । मेरे क्षेत्र में 80 प्रतिशत किसान एक हेक्टेयर से नीचे की खेती वाले हैं ।

माननीय अध्यक्ष : आपकी मांग क्या है? अपनी मांग जल्दी से बताइए, नहीं तो हम आगे बढ़ जाएंगे । आप अपनी मांग रखिए ।

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले: अध्यक्ष जी, मेरी एक मांग है । मेरे जो किसान भाई हैं, उनकी जो प्रॉब्लम्स हैं, मैं दो मिनट्स में उनके बारे में कहना चाहता हूं ।

माननीय अध्यक्ष : अब आपके पास समय नहीं है ।

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले: मुझे बहुत दिनों के बाद आपका आशीर्वाद मिला है । मेरी मांग है कि अवकाली बारिश की वजह से किसानों को जो नुकसान हुआ है, उससे किसानों के मुंह का निवाला चला गया है । उन्हें एक लाख रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से नुकसान हुआ है । सरकार को कम से कम उनकी लागत देनी चाहिए । इसके कारण जो कंपनियां हैं, (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज़ बैठ जाइए ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री दर्शन सिंह चौधरी जी, प्लीज़, अपनी सीट पर जाइए ।

(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री जुगल किशोर जी ।

(व्यवधान)